विवरण

रोहिणी में दंगे से प्रभावित उन परिवारों के लिए राहत उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा निम्नलिखित उपाए किए गए जिनके बारे में 23 मार्च, 1991 को इंडियन एक्सप्रेस में "फारलार्न एमबिट्टर्ड दे ट्रूज आन" शीर्षक के अन्तर्गत लेख प्रकाशित हुआ था :—

(I) प्रत्येक परिवार को 18 वर्ग मीटर के वैकल्पिक विकसित प्लाट का आवंटन।

(II) दिल्ली कापरेटिव हाउसिंग फाइनेन्स सोसाइटी द्वारा पहली तथा दूसरी ऋण किश्त के रूप में प्रत्येक दंगा पीड़ित परिवार को 10,000 रु० की अदायगी।

2. दिल्ली में 1984 के दंगों के शिकार हुए लोगों को राहत देने तथा उनके पुनर्वास के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा किए गए उपायों में मृत्यु, घायल तथा आवास इकाइयों के क्षति ग्रस्त होने के मामले में अनुग्रह सहायता देना, विधवाओं तथा बूढ़े व्यक्तियों को तदर्थ राहत पेंशन देना, स्कूल और कालेज जाने वाले बच्चों को छात्रवृत्ति देना, लड़कियों की शादी तथा विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए सहायता देना, आवासों का आवंटन करना, विधवाओं/बच्चों को रोजगार देना, गैर-बीमाकृत व्यापारिक सम्पत्ति की क्षति होने पर वित्तीय सहायता देना और दंगा पीड़ित परिवारों को वित्तीय संस्थाओं द्वारा ऋण देना शामिल।

पाकिस्तान के पास मौजूद प्रक्षेपास्त्र-प्रक्षेपक

1412. श्री राम जेठमलानी :

सरदार अजीत सिंह अरोड़ा :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 8 अप्रैल, 1991 के "दि टाइम्स आफ इंडिया" में "पाक हैज मिसाइल लांचर्स" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि पाकिस्तान ने अपने वार्षिक रक्षा बजट में वृद्धि करने के बारे में हाल ही में घोषणा की है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि देश के दूसरे सीमा क्षेत्र पर स्थित चीन ने भी अपने रक्षा-बजट में वृद्धि करने की घोषणा की है ; और

(घ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और सरकार की उन पर क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मंत्री (श्री माधवसिंह सोलंकी) (क) जी हां।

(ख) और (ग) जी हां।

(घ) 1991-92 के बजट आवंटन में पाकिस्तान ने प्रतिरक्षा के लिए 70 अरब 95 करोड़ 60 लाख रुपए आवंटित किए हैं जो कि पिछले वर्ष के बजट में प्रतिरक्षा के लिए किए गए आवंटन के मुकाबले में 11 प्रतिशत अधिक है। चीन ने 1991 के अपने बजट में 32 अरब 51 करोड़ आर०एम०बी० प्रतिरक्षा के लिए आवंटित किए, जो पिछले वर्ष इस मद पर खर्च किए गए थे, 12 प्रतिशत अधिक है।

भारत की सुरक्षा से किसी भी तरह ताल्लुक रखने वाले घटनाओं पर सरकार बराबर निगाह रखती है, ताकि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जा सकती है।

"मुस्लिम्स स्टार्ट फलीइंग काश्मीर वैली" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

1413. श्री राम जेठमलानी :

सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 13 मार्च 1991 के "हिन्दू" में "मुस्लिम्स स्टार्ट फलीइंग काश्मीर वैली" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो जून 1991 तक कितने नागरिकों को जम्मू और काश्मीर क्षेत्र से अपने मकानों को सुरक्षा के कारणों से छोड़ना पड़ा ;

(ग) इन लोगों ने किन-किन स्थानों पर शरण ली है और क्या सरकार ने उन्हें अपने-अपने घरों को वापस भेजने के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था की है; और

(घ) यदि हां, तो कितने लोग घरों को लौट गये हैं !

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) :

(क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) और (ग) सर्दियों में कश्मीर घाटी से आम लोगों सहित मुसलमानों का प्रवासन एक आम बात है क्योंकि उनमें से अधिकतर व्यक्ति व्यापार और जलवायु के कारणों से मैदानी इलाकों में आते हैं । तथापि घाटी में स्थिति बिगड़ने के बाद बताया जाता है कि कुछ मुसलमान सुरक्षा के कारणों से प्रवासित हुए, लेकिन उनमें से अधिकतर अपने आपको इस डर के कारण दर्ज नहीं कराते हैं कि उनका पता लग जाएगा और घाटी में वापस जाने पर उन्हें आतंकवादियों के क्रोध का शिकार होना पड़ेगा ।

जून 1991 तक जम्मू में 54,000 और दिल्ली में 18,000 प्रवासी परिवार दर्ज किए गए जो अधिकांशतः गैर-मुसलिम थे । कुछ परिवारों ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में शरण ली है । घाटी से आना और जाना एक सदा चलने वाली प्रक्रिया है लेकिन इन प्रवासियों का स्थायी रूप से घाटी में लौटने के बारे में कोई सूचना नहीं है । जम्मू और काश्मीर सरकार से प्रवासियों को चरणबद्ध रूप से घाटी में लौटाने के लिए योजना बनाने के लिए कहा गया है ।

Article in 'India Today' on assassination of Late Rajiv Gandhi

1414. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the article entitled 'The Inside Story" published in the *India Today* of July 15, 1991 about the brutal assassination of Rajiv Gandhi; and

(b) if so, what are the details thereof and the action taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB):-(a) Yes. **Sir.**

(b) In the article details of plot of the assassins to kill Late Shri Rajiv Gandhi and some details of the action purported to have taken place by SIT in the investigation have been given. Since the matter is already under investigation, it would not be in public interest to disclose any details at the stage.

Vacancies of Chowkidars in various Deptts of M.C.D.

1415. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are 91 vacancies of Chowkidars which are lying vacant in various departments of M.C.D.. Delhi:

(b) whether it is also a fact that 1075 candidates of Employment Exchanges no- > minees have been awaiting for the last eight months and needful has not been done by the M.C.D. Authorities to arrange their interviews etc.; and

(c) if so, what action Government propose to take in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE